CORDOVA App 24X7
For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT
For Teachers Only

सुप्रभातम्

संस्कृत पाठमाला

6

CORDOVA

Scanned by CamScanner

विषय-सूची

	पाठ का नाम		पृष्ठ संख्या
	स्तुतिः	...	5
1.	संस्कृत-वर्णमाला	...	6
2.	शब्द-परिचयः [शब्द-ज्ञानम्–(पुल्लिंगम्, स्त्रीलिंगम्, नपुंसकलिंगम्)]	...	11
3.	सर्वनाम-परिचयः	...	19
4.	धातु-अवबोधः	...	25
5.	सः कः अस्ति? [(प्रथमपुरुषः (त्रिषु लिंगेषु)]	...	30
6.	तत् त्वम् असि [मध्यमपुरुषः (उभयलिंगयोः)]	...	36
7.	अहम् आत्मा अस्मि [उत्तमपुरुषः (उभयलिंगयोः)]	...	42
8.	अव्यय-पदानि	...	49
9.	कारक-परिचयः (विभक्तिः)	...	53
10.	कर्ता कारकम् (प्रथमा विभक्तिः)	...	58
11.	सः ग्रामं गच्छति [कर्म-कारकम् (द्वितीया विभक्तिः)]	...	62
12.	स्वभावेन परोपकारी भवेत् [करण-कारकम् (तृतीया विभक्तिः)]	...	67
13.	विद्या ज्ञानाय धनं च दानाय [सम्प्रदान-कारकम् (चतुर्थी विभक्तिः)]	...	72
14.	परिश्रमात् विना सफलता न भवति [अपादान-कारकम् (पञ्चमी विभक्तिः)]	...	77
15.	अस्माकं राष्ट्रम् [सम्बन्ध-कारकम् (षष्ठी विभक्तिः)]	...	82
16.	उद्याने वृष्टिः [अधिकरण-कारकम् (सप्तमी विभक्तिः)]	...	87
17.	भगवान् रामः (सम्बोधनम्)	...	92
18.	किं भविष्यति [लृट्लकारः (भविष्यत्कालः)]	...	96
19.	संख्याज्ञानम्	...	101
20.	मधुरवचनानि [प्रथमायाः सम्बोधनपर्यन्तम् (श्लोकाः)]	...	106
	• **केवलं पठनाय**		
	संस्कृतगीतम्	...	111
	शुकः काकः च (चित्रकथा)	...	112
	• अपठित अवबोधनम्	...	114
	• चित्र-वर्णनम्	...	116
	• परिशिष्टः	...	118
	शब्दकोशः	...	126
	अभ्यास प्रश्न-पत्रम्-1	...	129
	अभ्यास प्रश्न-पत्रम्-2	...	131

Scanned by CamScanner

स्तुतिः

1. तेजोऽसि तेजो मयि देहि,
   वीर्यमसि वीर्यं मयि देहि,
   बलमसि बलं मयि देहि,
   ओजोऽसि ओजो मयि देहि।

अर्थ- हे प्रभु! आप तेज स्वरूप हैं, मुझे तेज प्रदान करें। आप शक्ति स्वरूप हैं, मुझे शक्ति प्रदान करें। आप बलस्वरूप हैं, मुझे बल प्रदान करें। आप प्रकाश स्वरूप हैं, मुझे प्रकाशित करें।

2. त्वमेव माता च पिता त्वमेव,
   त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
   त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव,
   त्वमेव सर्वम् मम देव देव।।

अर्थ - तुम्हीं हो माता, पिता तुम्हीं हो,
तुम्हीं हो बन्धु, सखा तुम्हीं हो।
तुम्हीं हो विद्या, वित्त तुम्हीं हो
तुम्हीं हो सब कुछ देवाधि देव।।

3. नमामि ईश्वरं प्रातः, नमामि जनकं तथा।
   नमामि जननीं पूज्याम्, नमामि शिक्षकान् तथा।।

अर्थ- मैं प्रातः ईश्वर को प्रणाम करता हूँ, उसके बाद पूज्य पिता जी, पूज्य माता जी तथा अपने अध्यापकों (शिक्षकों) को प्रणाम करता हूँ।

4. असतो मा सद्गमय
   तमसो मा ज्योतिर्गमय
   मृत्योर्माऽमृतं गमय।

अर्थ- हे प्रभु! मुझे असत् (बुराई) से सत् (अच्छाई) की ओर ले चलो। अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। तथा मृत्यु से अमरत्व की ओर ले चलो।

Scanned by CamScanner

1 संस्कृत-वर्णमाला

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

वर्ण

वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं। भाषा की मूल ध्वनि जिसे खंडित न किया जा सके, उसे वर्ण कहते हैं। संस्कृत भाषा की ध्वनियाँ देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं।
संस्कृत वर्णमाला में 13 स्वर एवं 33 व्यञ्जन होते हैं।

स्वर (Vowels)

जिन वर्णों के उच्चारण में अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती, उन्हें **स्वर** कहते हैं।

स्वर तीन प्रकार के हैं–

स्वर

ह्रस्व स्वर (Short Vowels)	दीर्घ स्वर (Long Vowels)	संयुक्त स्वर (Diphthongs)
अ, इ, उ, ऋ, ऌ	आ, ई, ऊ, ॠ	ए, ऐ, ओ, औ

व्यञ्जन (Consonants)

जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है, वे **व्यञ्जन** कहलाते हैं।

व्यञ्जन के प्रकार

व्यञ्जन तीन प्रकार के होते हैं
- **स्पर्श व्यञ्जन** (क् से म् तक)
- **अन्तःस्थ व्यञ्जन** (य्, र्, ल्, व्)
- **ऊष्म व्यञ्जन** (श्, ष्, स्, ह्)

शिक्षक के लिए

- वर्णों के उच्चारण-स्थानों का ज्ञान कराकर वर्णों को उच्चारित कराना।
- वर्ण-विच्छेद एवं वर्ण-संयोग का ज्ञान कराना।
- अंग्रेज़ी एवं संस्कृत वर्णों के उच्चारण में अंतर सिखाना।
- संयुक्ताक्षरों से निर्मित शब्दों का अभ्यास करा सकते हैं।

Scanned by CamScanner

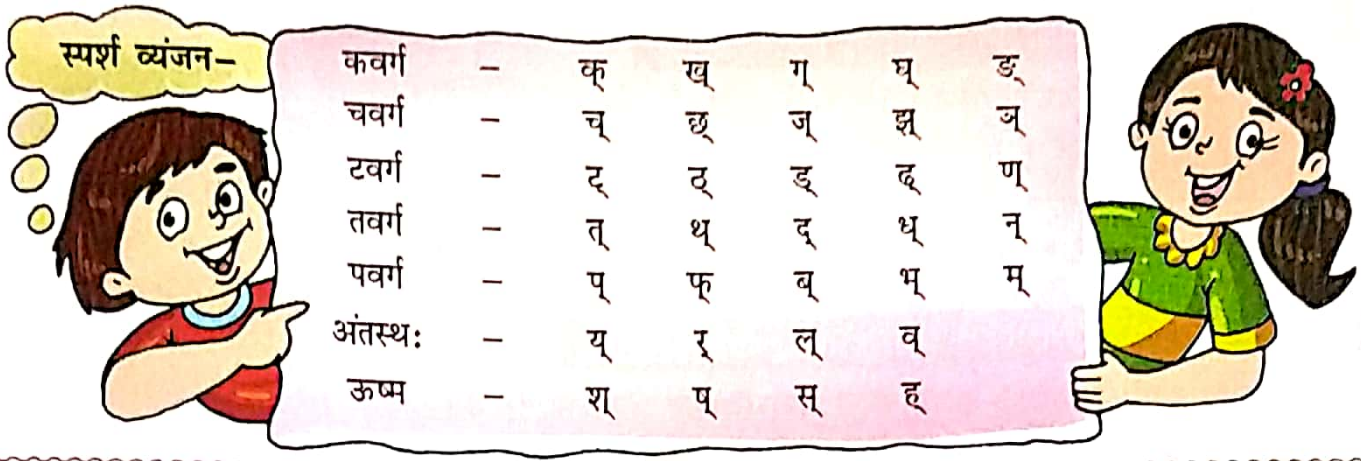

स्मरणीय बिन्दु–

- ☞ स्पर्श व्यञ्जनों को पाँच वर्गों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक वर्ग में पाँच वर्ण होते हैं और प्रत्येक वर्ग का नाम उसके प्रथम वर्ण के नाम पर रखा गया है।
- ☞ प्रत्येक व्यञ्जन स्वर रहित होता है, जिसे हलन्त (्) लगाकर लिखा जाता है; जैसे= क्
- ☞ जब व्यञ्जन में स्वर मिलता है तब हलन्त का लोप हो जाता है; जैसे- ग् + अ = ग

अयोगवाह (Dependent Sounds)

जो वर्ण स्वर और व्यञ्जन में नहीं आते, उन्हें **अयोगवाह** कहते हैं। यह भी दो प्रकार के होते हैं–

अनुस्वार – (Nasal Sound) (ं)
विसर्ग – (Visarga) (:)

संयुक्त व्यञ्जन (Consunct Consonants)

दो या दो से अधिक व्यञ्जनों के मेल से **संयुक्त व्यञ्जन** बनता है; जैसे–

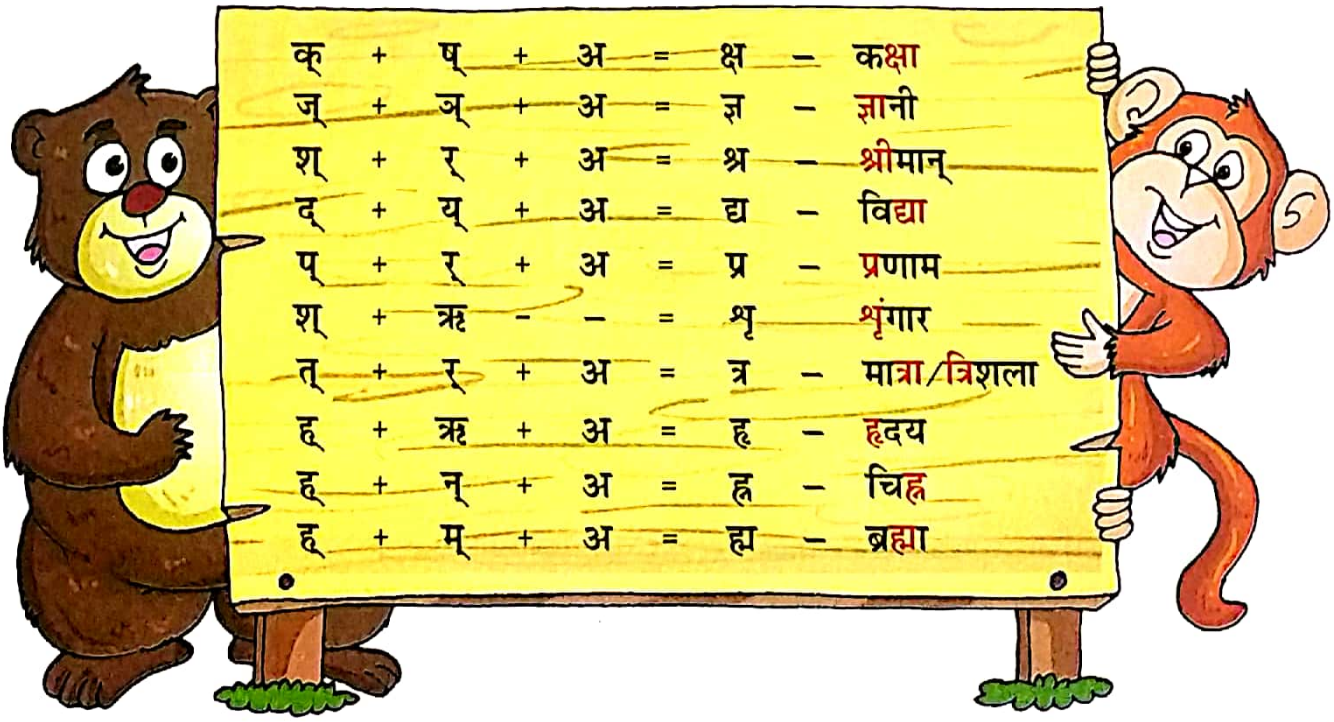

Scanned by CamScanner

वर्ण-संयोग/वर्ण-संयोजन (Joining the letters)

स्वर एवं व्यञ्जनों को जोड़कर शब्द बनाना **वर्ण संयोग** है; जैसे–

ज् + अ + ल् + अ + म् = जलम्
क् + ष् + अ + म् + आ = क्षमा
न् + ऋ + त् + य् + अ = नृत्य
प् + र् + अ + ग् + अ + त् + इ = प्रगति
श् + र् + अ + व् + अ + ण् + अ = श्रवण
क् + अ + र् + म् + अ = कर्म

वर्ण-विच्छेद/वर्ण-वियोजन (Disjoining the letters)

शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग करना **वर्ण-विच्छेद** कहलाता है; जैसे–

पत्रम्	–	प्	+	अ	+	त्	+	र्	+	अ	+	म्				
विद्यालय	–	व्	+	इ	+	द्	+	य्	+	आ	+	ल्	+	अ	+	य्	+	अ
परीक्षा	–	प्	+	अ	+	र्	+	ई	+	क्	+	ष्	+	आ				
श्रीमती	–	श्	+	र्	+	ई	+	म्	+	अ	+	त्	+	ई				
चित्र	–	च्	+	इ	+	त्	+	र्	+	अ								
वृक्ष	–	व्	+	ऋ	+	क्	+	ष्	+	अ								

स्वरों की मात्राएँ

व्यञ्जन (Consonant)	स्वर (Vowel)	चिह्न (Symbols)	मात्रा युक्त व्यञ्जन (Consonant with Symbols)
क्	अ	–	क
क्	आ	ा	का
क्	इ	ि	कि
क्	ई	ी	की
क्	उ	ु	कु
क्	ऊ	ू	कू
क्	ऋ	ृ	कृ
क्	ए	े	के
क्	ऐ	ै	कै
क्	ओ	ो	को
क्	औ	ौ	कौ
क्	अं	ं	कं
क्	अः	ः	कः

अभ्यासः

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।

शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words clearly.)

क्षमा	श्रवण	विद्या	ब्राह्मण	हृदय	शृगाल
त्रिकाल	चिह्न	प्रज्ञा	चित्रांग	सृष्टि	कर्ण

Scanned by CamScanner

2. चिन्तयित्वा वदत।

सोचकर बताइए। (Think and answer.)

(*i*) स्वर किसे कहते हैं?

(*ii*) संयुक्त व्यञ्जन युक्त पाँच अक्षर बताइए।

(*iii*) स्पर्श व्यञ्जनों के वर्ग बताइए?

(*iv*) 'प्रमाण' एवं 'परीक्षा' शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

लिखितः

1. शुद्धं विकल्पं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान पूरा कीजिए। (Choose the correct options and fill in the blanks.)

(क) संस्कृत वर्णमाला में ..... व्यञ्जन होते हैं।

(*i*) 13 (*ii*) 33 (*iii*) 11 (*iv*) 44

(ख) श् ष् स् ह् को ..... व्यञ्जन कहते हैं।

(*i*) स्पर्श (*ii*) अन्तःस्थ (*iii*) ऊष्म (*iv*) अयोगवाह

(ग) ..... संयुक्त स्वर है।

(*i*) ज्ञ (*ii*) ऐ (*iii*) ई (*iv*) ऊ

(घ) व्यंजन के ..... प्रकार होते हैं।

(*i*) दो (*ii*) तीन (*iii*) चार (*iv*) पाँच

2. निम्नलिखित वर्णेषु स्पर्श-अन्तःस्थ-ऊष्मव्यञ्जनानि पृथक् कुरुत।

निम्नलिखित वर्णों में से स्पर्श, अन्तःस्थ एवं ऊष्म व्यंजन अलग कीजिए।

(Separate the class, semi vowels and sibilants consonants from the following letters.)

ख्, र्, स्, न्, फ्, ष्, व्, य्, ट्, ह्, ल्, श्

स्पर्श व्यञ्जन	.....	.....	.....	.....
अन्तःस्थ व्यञ्जन	.....	.....	.....	.....
ऊष्म व्यञ्जन	.....	.....	.....	.....

3. वर्णसंयोगं कुरुत।

वर्ण-संयोग कीजिए। (Join the letters to form proper words.)

(क) उ + प् + अ + व् + अ + न् + अ + म् = ...

(ख) न् + य् + आ + य् + अ = ...

(ग) व् + इ + श् + र् + आ + म् + अ = ...

(घ) उ + द् + य् + ओ + ग् + अ = ...

(ङ) श् + इ + क् + ष् + अ + क् + अ = ...

(च) क् + ऋ + ष् + अ + क् + अ = ...

Scanned by CamScanner

4. वर्ण-विच्छेदं कुरुत।
वर्ण-विच्छेद कीजिए। (Disjoin the letters of given words.)

कर्म – ..... कृपा – .....

क्रम – ..... आशीर्वाद – .....

ब्रह्मा – ..... दर्पण – .....

5. अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत। नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक-प्रश्नः

- **वर्णों के मेल से शब्द बनता है। इससे हमें क्या शिक्षा मिलती है?**

मिलजुल कर रहना ☐ अलग रहना ☐ दूसरों का बुरा करना ☐

रचनात्मकः अभ्यासः

सोचिए, समझिए और मिलान कीजिए। (Match the following words with the pictures related to them.)

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

1. संस्कृत वर्णमाला के स्वर एवं व्यञ्जनों को एक चार्ट पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखकर कक्षा में लगाएँ।
2. अपने परिवार के सदस्यों अथवा मित्रों के नाम लिखकर उनका वर्ण-विच्छेद कीजिए तथा उनके चित्र भी चिपकाइए।

Scanned by CamScanner

शब्द-परिचयः

2 शब्द-ज्ञानम् (पुल्लिंगम्, स्त्रीलिंगम्, नपुंसकलिंगम्)

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

किसी भी प्रादेशिक भाषा; जैसे–मराठी, पंजाबी, गुजराती, कन्नड़, बांगला आदि को जानने वाला छात्र संस्कृत को आसानी से सीख सकता है, क्योंकि इन भाषाओं के शब्द संस्कृत से ही विकसित हुए हैं। निम्नलिखित शब्द-परिचय से आपको पता चल जाएगा कि इन सभी शब्दों को हम किसी न किसी रूप में जानते हैं।

बच्चो, ये तो आप जानते ही हैं कि हिंदी में लिंग के दो भेद होते हैं– पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

लेकिन संस्कृत में लिंग के तीन भेद होते हैं–

1. **पुल्लिंग** 2. **स्त्रीलिंग** 3. **नपुंसकलिंग**

पुल्लिंग– जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें **पुल्लिंग** कहते हैं; जैसे–

छात्रः

बालः

अध्यापकः

उपर्युक्त उदाहरण '**छात्रः, बालः** और **अध्यापकः**' शब्द पुरुष जाति का बोध करा रहे हैं। अतः ये **पुल्लिंग** हैं।

स्त्रीलिंग– जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें **स्त्रीलिंग** कहते हैं; जैसे–

छात्रा

बाला

अध्यापिका

उपर्युक्त उदाहरण '**छात्रा, बाला** और **अध्यापिका**' शब्द स्त्री जाति का बोध करा रहे हैं। अतः ये **स्त्रीलिंग** हैं।

शिक्षक के लिए

- अन्य भाषाओं का विकास कहाँ से हुआ? इस विषय पर कक्षा में चर्चा कर सकते हैं।
- तीनों लिंगों से संबंधित शब्दों को बोलकर पूछ सकते हैं कि ये शब्द किस लिंग के अंतर्गत आएँगे।
- संस्कृत में हिंदी की तरह दो नहीं बल्कि तीन वचन होते हैं। इस विषय पर बच्चों से चर्चा कर सकते हैं।

Scanned by CamScanner

नपुंसकलिंग– पुल्लिंग और स्त्रीलिंग से भिन्न सभी शब्द **नपुंसकलिंग** के अन्तर्गत आते हैं; जैसे–

पत्रम्

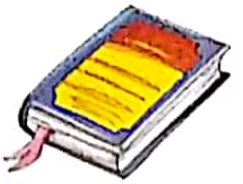

पुस्तकम्

फलम्

उपर्युक्त उदाहरण '**पत्रम्, पुस्तकम्** और **फलम्**' निर्जीव वस्तुएँ हैं, इनमें जान नहीं होती है। अतः ये **नपुंसकलिंग** हैं।

अकारान्त– पुल्लिंग-शब्दाः

इसके अन्तर्गत पुल्लिंग के वे शब्द आते हैं, जिन शब्दों के अन्तिम वर्ण में '**अ**' हो। ऐसे शब्दों को ही **अकारान्त पुल्लिंग शब्द** कहते हैं; जैसे–

छात्रः

नरः

अश्वः

उपर्युक्त उदाहरण '**छात्रः, नरः,** और **अश्वः**' शब्द के अन्तिम वर्ण (**त्र, र, व**) में '**अ**' प्रयुक्त है। अतः ये **अकारान्त पुल्लिंग** शब्द हैं।

इसी प्रकार के अन्य अकारान्त पुल्लिंग शब्द इस प्रकार हैं–

गजः

पिकः

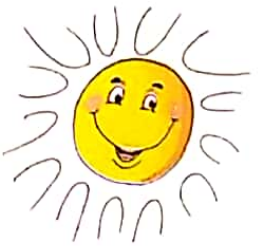

सूर्यः

मृगः

गर्दभः

विद्यालयः

आकारान्त– स्त्रीलिंग-शब्दाः

इसके अन्तर्गत स्त्रीलिंग के वे शब्द आते हैं, जिन शब्दों के अन्त में '**आ**' हो। ऐसे शब्दों को ही **आकारान्त स्त्रीलिंग** शब्द कहते हैं; जैसे–

Scanned by CamScanner

अध्यापिका

कन्या

अजा

उपर्युक्त उदाहरणों में **'अध्यापिका, कन्या और अजा'** शब्द के अंतिम वर्ण (**का, या, जा**) में **'आ'** प्रयुक्त है। अत: ये **आकारान्त स्त्रीलिंग** शब्द हैं।

इसी प्रकार अन्य आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द इस प्रकार हैं–

चटका

कोकिला

शिक्षिका:

नासिका

पाठशाला

ध्वजा:

सेविका

मूषिका

लता:

अकारान्त– नपुंसकलिंग-शब्दा:

जिन शब्दों के अंत में **'अ'** हो और उन्हें नपुंसकलिंग के अन्तर्गत माना गया हो, उन्हें **अकारान्त नपुंसकलिंग शब्द** कहते हैं; जैसे–

नेत्रम्

मुखम्

रजतम्

उपुर्यक्त उदाहरणों में **'नेत्रम्, मुखम्** और **रजतम्'** शब्द नपुंसकलिंग के अन्तर्गत आते हैं तथा इनके अंतिम वर्ण में **'अ'** प्रयुक्त हैं। अत: ये **अकारान्त नपुंसकलिंग शब्द** हैं।

इसी प्रकार के अन्य अकारान्त नपुंसकलिंग शब्द इस प्रकार हैं–

रूप्यकम्

ताम्रम्

लौहम्

Scanned by CamScanner

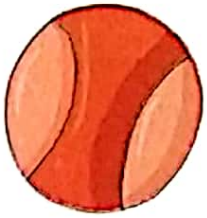

कन्दुकम्

क्रीडनकम्

पुस्तकम्

घटः

दीपकः

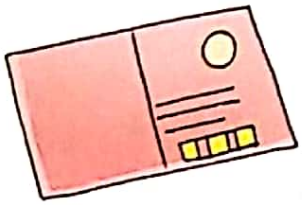

पत्रम्

नारिकेलम्

चक्रम्

इसी तरह संस्कृत में वचन के भी तीन भेद होते हैं– 1. **एकवचन** 2. **द्विवचन** 3. **बहुवचन**

1. **एकवचन–** जहाँ केवल एक का ही बोध हो, उसे **एकवचन** कहते हैं; जैसे–

वानरः

पत्रम्

बालः

उपर्युक्त उदाहरणों से केवल एक का ही पता चल रहा है। अतः ये **एकवचन** हैं।

2. **द्विवचन–** जहाँ दो का बोध हो, उसे **द्विवचन** कहते हैं; जैसे–

वानरौ

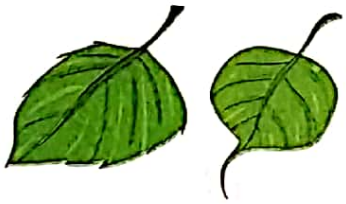

पत्रे

बालौ

उपर्युक्त उदाहरणों में केवल दो का ही पता चल रहा है। अतः ये **द्विवचन** हैं।

3. **बहुवचन–** जहाँ दो से अधिक का बोध हो, उसे **बहुवचन** कहते हैं; जैसे–

वानराः

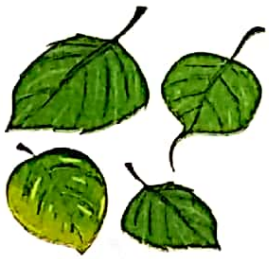

पत्राणि

बालाः

उपर्युक्त उदाहरणों में दो से अधिक का पता चल रहा है। अतः ये **बहुवचन** हैं।

Scanned by CamScanner

अन्य उदाहरण

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
नरः	नरौ	नराः
	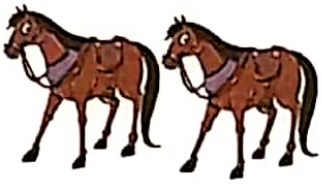	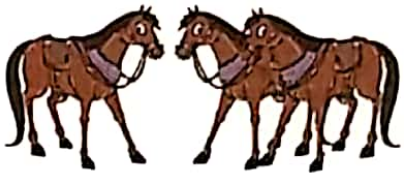
अश्वः	अश्वौ	अश्वाः
छात्रः	छात्रौ	छात्राः
लता	लते	लताः

शब्द-अर्थ

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
अश्वः	घोड़ा	Horse
गजः	हाथी	Elephant
मूषिका	चुहिया	Mice
शुकः	तोता	Parrot
मृगः	हिरण	Deer
अजा	बकरी	Goat
लेखनी	कलम	Pen
कन्दुकम्	गेंद	Ball
नेत्रम्	आँख	Eye
कमलम्	कमल	Lotus
उपवनम्	बगीचा	Garden
नासिका	नाक	Nose

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
वानरौ	दो बन्दर	Two Monkeys
नरः	मनुष्य	Men
पिकः	कोयल	Cuckoo
गर्दभः	गधा	Donkey
चटका	चिड़िया	Sparrow
पत्रम्	चिट्ठी	Letter
क्रीडनकम्	खिलौना	Toy
मुखम्	चेहरा	Face
ताम्रम्	ताँबा	Copper
नारिकेलम्	नारियल	Coconut
समाचारपत्रम्	अख़बार	Newspaper
कोकिला	कोयल	Cuckoo

Scanned by CamScanner

अभ्यासः

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।
   शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words clearly.)

छात्रः	गजः	घटः	विडालः	अश्वः
चन्द्रः	गायकः	बालिकाः	पिकाः	नरः

2. चिन्तयित्वा वदत।
   सोचकर बताइए। (Think and answer.)
   (*i*) संस्कृत में लिंग कितने प्रकार के होते हैं? नाम बताइए।
   (*ii*) अकारांत पुल्लिंग के कोई दो उदाहरण बताइए?
   (*iii*) आकारांत स्त्रीलिंग के कोई दो उदाहरण बताइए?
   (*iv*) संस्कृत में कितने वचन होते हैं?

लिखितः

1. अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–
   नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए।
   (Choose the correct answer from the options given below.)
   (क) संस्कृत भाषा में कितने लिंग होते हैं? .....
   (*i*) एक (*ii*) दो (*iii*) तीन (*iv*) चार
   (ख) 'कदलीफलम्' है- .....
   (*i*) पुष्प (*ii*) फल (*iii*) पत्ता (*iv*) खिलौना
   (ग) 'मुद्रिका' शब्द का द्विवचन है- .....
   (*i*) मुद्रिकाः (*ii*) मुद्रिके (*iii*) मुद्रिकम् (*iv*) मुद्रिकान्
   (घ) 'जन्तुशाला' शब्द का लिंग है- .....
   (*i*) अकारान्त पुल्लिंग (*ii*) आकारान्त स्त्रीलिंग
   (*iii*) अकारान्त नपुंसकलिंग (*iv*) इकारान्त पुल्लिंग

2. निम्नलिखितशब्दानाम् उचितेन अर्थेन सह मेलनं कुरुत–
   निम्नलिखित शब्दों का सही मिलान कीजिए।
   (Match the following words with their correct meaning.)

Scanned by CamScanner

(i)	मूषिका	दो चिड़ियाँ
(ii)	रजतम्	गधा
(iii)	शिक्षिका	बहुत सारे फल
(iv)	पिकौ	चेहरा
(v)	पुस्तके	चाँदी
(vi)	मुखम्	दो बकरियाँ
(vii)	फलानि	चुहिया
(viii)	गर्दभः	दो पुस्तकें
(ix)	चटके	दो कोयल
(x)	अजे	अध्यापिका

3. निम्नलिखितशब्देभ्यः पुल्लिंग-स्त्रीलिंग-नपुंसकलिंग-शब्दान् चित्वा लिखत–
निम्नलिखित शब्दों में से पुल्लिंग, स्त्रीलिंग व नपुंसकलिंग शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए।
(Separate the masculine, faminine and neuter gender words from the given words.)

पुल्लिंग	.....	.....	.....
स्त्रीलिंग	.....	.....	.....
नपुंसकलिंग	.....	.....	.....

बाला	कन्या	गायिका
बालः	कन्दुकम्	छात्रः
मुखम्	अश्वाः	गृहम्

4. निम्नलिखित-शब्दानाम् आधारेण उचितं वचनं चिनुत–
निम्नलिखित शब्दों के आधार पर उचित वचन में ✓ का निशान लगाइए–
(Tick (✓) the right option for each word given below.)

नरः	–	एकवचन	☐	द्विवचन	☐	बहुवचन	☐
अश्वौ	–	एकवचन	☐	द्विवचन	☐	बहुवचन	☐
गजौ	–	एकवचन	☐	द्विवचन	☐	बहुवचन	☐
सैनिकः	–	एकवचन	☐	द्विवचन	☐	बहुवचन	☐
बालाः	–	एकवचन	☐	द्विवचन	☐	बहुवचन	☐

5. निम्नलिखित-तालिकां पूरयत-
निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए– (Complete the table given below.)

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
पुस्तकम्	.....	.....
.....	पाठशाले	.....
.....	.....	नेत्राणि
छात्रः	.....	.....
.....	शिक्षिके	.....

Scanned by CamScanner

6. चित्राणि दृष्ट्वा उचितं संस्कृतशब्दं लिखत–
चित्र को देखकर संस्कृत में उनके नाम लिखिए।
(Look at the pictures given below and write their names in Sanskrit.)

.....

.....

.....

7. अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत। नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्नः

(i) किसी भी कठिन से कठिन काम को हम कैसे पूरा कर सकते हैं?

अकेले रह कर ☐ हम सब मिलकर ☐ लड़ाई-झगड़ा करके ☐

(ii) शब्द हमें सिखाते हैं–

एकाकी रहना ☐ सहयोग करना ☐ असहयोग करना ☐

रचनात्मकः अभ्यासः

दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। चित्र में दिखाई दे रही तसवीरों के नाम को उनके लिंग तक पहुँचाइए।
(Look at the picture carefully. Now, write their names in the column of their respective genders.)

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

1. आपके बस्ते में क्या-क्या चीज़ें रखी हैं? उनके नाम संस्कृत में लिखिए।
2. एक चार्ट पेपर पर शरीर के अंगों के चित्र बनाकर उनके नाम संस्कृत में लिखिए।
(आवश्यकतानुसार अध्यापक/अध्यापिका की मदद ले सकते हैं।)

Scanned by CamScanner

3 सर्वनाम-परिचयः

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

स्मरणीय बिन्दु– 'म्' के बाद यदि व्यंजन से शुरू होने वाला शब्द हो तो 'म्' का अनुस्वार (ं) हो जाता है; जैसे– **सः बालकं पश्यति**। यहाँ 'बालकं' शब्द में 'म्' का प्रयोग न होकर अनुस्वार (ं) का प्रयोग हुआ है। क्योंकि '**बालकं**' शब्द के 'म्' के बाद '**पश्यति**' शब्द के 'प्' (व्यंजन) वर्ण के कारण '**बालकम्**' न होकर '**बालकं**' यानी 'म्' का अनुस्वार हो गया है। किन्तु यदि '**सः बालकम् अपश्यत्**' होता तो यहाँ पर '**बालकम्**' के 'म्' का अनुस्वार नहीं होता क्योंकि '**बालकम्**' के 'म्' के बाद वाला शब्द स्वर (अ) '**अपश्यत**' से शुरू हुआ है।

सर्वनाम अर्थात् सभी का नाम। जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं, उन्हें **सर्वनाम** कहते हैं। सर्वनाम शब्दों के रूप तीनों लिंगों और वचनों में चलते हैं।

प्रथम पुरुष तत् (वह)

'तत्' सर्वनाम शब्द दूर स्थित व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयोग होता है। '**तत्**' सर्वनाम शब्द के पुल्लिंग रूप में '**सः, तौ, ते**' (तीनों वचनों में) बनते हैं। यहाँ प्रथम पुरुष और प्रथमा विभक्ति का प्रयोग है–

पुल्लिंग-

सः (वह)

तौ (वे दो)

ते (वे सब)

स्त्रीलिंग में 'तत्' के रूप क्रमशः '**सा, ते, ताः**' बनते हैं, जो लता के अनुसार चलते हैं; जैसे–

स्त्रीलिंग-

सा (वह)

ते (वे दो)

ताः (वे सब)

शिक्षक के लिए

- तीनों पुरुषवाची सर्वनामों का कक्षा में छात्रों के साथ संवाद रूप में अभ्यास करा सकते हैं।
- दस संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करना।
- सः-एषः, सा-एषा एवं तत्-एतत् में उदाहरण द्वारा भेद स्पष्ट कराना।

Scanned by CamScanner

नपुंसकलिंग में प्रथमा विभक्ति के तीनों वचनों में **'तत्, ते, तानि'** रूप बनते हैं। द्वितीया विभक्ति भी प्रथमा के समान चलती है–

नपुंसकलिंग-

तत् (वह)

ते (वे दो)

तानि (वे सब)

एतत् (यह)

निकट (पास) स्थित व्यक्ति या वस्तु के लिए **'एतत्'** सर्वनाम शब्द का प्रयोग होता है।
प्रथमा विभक्ति पुल्लिंग में–**'एषः, एतौ, एते'** रूप बनते हैं; जैसे–

पुल्लिंग-

एषः (यह)

एतौ (ये दो)

एते (ये सब)

स्त्रीलिंग में **'एतत्'** प्रथमा विभक्ति के तीनों वचनों में **'एषा, एते, एताः'** रूप बनते हैं।

स्त्रीलिंग-

एषा (यह)

एते (ये दो)

एताः (ये सब)

'एतत्, एते, एतानि' नपुंसकलिंग प्रथमा विभक्ति के रूप हैं। द्वितीया विभक्ति में यही रूप बनते हैं–

नपुंसकलिंग-

एतत् (यह)

एते (ये दो)

एतानि (ये सब)

स्मरणीय बिन्दु–

- **'तत्'** सर्वनाम शब्द दूर के लिए तथा **'एतत्'** पास स्थित व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयुक्त होता है।
- 'अस्मद्' और 'युष्मद्' सर्वनाम शब्दों के रूप तीनों लिंगों में एक समान ही रहते हैं।

अन्य सर्वनाम शब्द

किम् (क्या/कौन)

पुल्लिंग-	कः (कौन)	कौ (कौन दो)	के (कौन सब)
स्त्रीलिंग-	का (कौन)	के (कौन दो)	काः (कौन सब)
नपुंसकलिंग-	किम् (कौन)	के (कौन दो)	कानि (कौन सब)

Scanned by CamScanner

मध्यम पुरुष युष्मद् (तुम)

त्वम् (तुम) | युवाम् (तुम दोनों) | यूयम् (तुम सब)

उत्तम पुरुष अस्मद् (मैं)

अहम् (मैं) | आवाम् (हम दो) | वयम् (हम सब)

समस्त सर्वनामों को तीन पुरुषों में विभाजित किया जा सकता है-

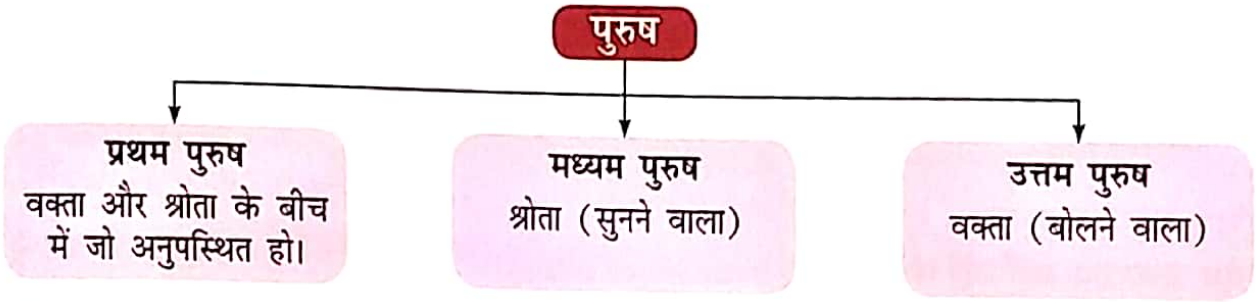

सुनने और बोलने वाले से भिन्न व्यक्ति या वस्तु प्रथम पुरुष है; जैसे–सः, तौ, ते। सुनने वाला मध्यम पुरुष है; जैसे–त्वम्, युवाम्, यूयम् तथा बोलने वाला स्वयं उत्तम पुरुष होता है; जैसे–अहम्, आवाम्, वयम्।

संज्ञा के साथ सर्वनाम का प्रयोग-

सः कः?
एषः शुकः।
अयम् शुकः।

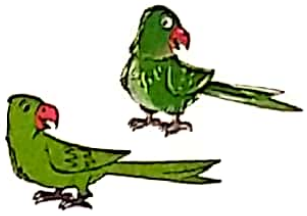

तौ कौ?
एतौ शुकौ।
इमौ शुकौ

ते के?
एते शुकाः।
इमे शुकाः।

'एषः शुकः' इसमें 'एषः' पुल्लिंग प्रथमा विभक्ति का सर्वनाम पद है तथा 'शुकः' उसी विभक्ति का संज्ञा पद है। इसी प्रकार संज्ञा के साथ सर्वनाम शब्दों का प्रयोग होता है। अन्य उदाहरण भी इसी प्रकार दर्शाए गए हैं–

अन्य उदाहरण

सा का?
एषा गायिका।
इयं गायिका।

तत् किम्?
एतत् कन्दुकम्।
इदं कन्दुकम्।

ते के?
एते गायिके।
इमे गायिके।

ते के?
एते कन्दुके।
इमे कन्दुके।

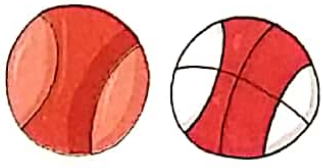

Scanned by CamScanner

ताः काः?
एताः गायिकाः।
इमाः गायिकाः।

तानि कानि?
एतानि कन्दुकानि।
इमानि कन्दुकानि।

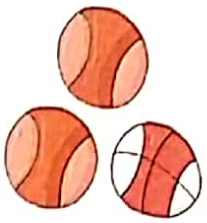

अभ्यासः

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।
   शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words clearly.)

सः	एषः	सा	एषा	तत्	एतत्	एतानि
एतौ	अहम्	आवाम्	कन्दुकानि	गायिके	शुकाः	वयम्

2. चिन्तयित्वा वदत।
   सोचकर बताइए। (Think and answer.)
   (*i*) सर्वनाम किसे कहते हैं?
   (*ii*) तत् एवं एतत् सर्वनामों के प्रयोग में क्या अंतर है?
   (*iii*) उत्तम पुरुष के सर्वनामों के उदाहरण बताइए?

लिखितः

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा रिक्त-स्थानानि पूरयत।
   विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए।
   (Choose the correct answer from the options given below and fill in the blanks.)
   (*i*) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द ..... कहलाते हैं।
   (क) वचन (ख) पुरुष (ग) सर्वनाम
   (*ii*) पुरुष ..... होते हैं।
   (क) तीन (ख) एक (ग) दो
   (*iii*) श्रोता (सुनने वाला) ..... पुरुष होता है।
   (क) मध्यम (ख) प्रथम (ग) उत्तम
   (*iv*) वक्ता और श्रोता के बीच अनुपस्थित रहने वाला ..... पुरुष होता है।
   (क) उत्तम (ख) प्रथम (ग) मध्यम

Scanned by CamScanner

2. निम्नलिखित-शब्दानाम् उचितेन अर्थेन सह मेलनं कृत्वा उत्तरपुस्तिकायां लिखत।
निम्नलिखित शब्दों का सही मिलान करके उत्तर पुस्तिका में लिखिए।
(Match the following words to their meaning and write in your answer book.)

वयम्	कौन (नपुंसकलिंग)
युवाम्	मैं
तत्	कौन सब (स्त्रीलिंग)
त्वम्	तुम दोनों
काः	हम सब
अहम्	वे सब (स्त्रीलिंग)
किम्	वह (नपुंसकलिंग)
ताः	तुम

3. निम्नशब्दानाम् लिंग-परिवर्तनं कुरुत–
निम्न शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए। (Change the gender of the given words.)

(*i*) कः ..... (*ii*) सा .....

(*iii*) एषः ..... (*iv*) कौ .....

4. निम्नशब्दानाम् उचितानि बहुवचनानि चित्वा लिखत।
निम्न शब्दों के उचित बहुवचन को रेखांकित कीजिए।
(Underline the correct plural for each word given below.)

(*i*) तत् (ते, तानि, सः) (*ii*) एषः (तानि, एते, एतौ) (*iii*) सा (ताः, ते, तानि)

(*iv*) कः (काः, के, कौ) (*v*) अहम् (वयम्, आवाम्, माम्) (*vi*) किम् (काः, के, कानि)

5. 'किम्' सर्वनाम-शब्देन उचितरूपेण प्रश्ननिर्माणं कुरुत।
'किम्' सर्वनाम शब्द के द्वारा उचित रूप से प्रश्न निर्माण कीजिए।
(Make questions for the statements given below using the pronoun 'kim')

(क) ताः कोकिलाः।
ताः .....?

(ख) एतानि मित्राणि।
एतानि .....?

(ग) ते अश्वाः
ते .....?

(घ) तौ बालकौ।
तौ .....?

(ङ) तत् फलम्।
तत् .....?

(च) एताः गायिकाः।
एताः .....?

Scanned by CamScanner

6. अधोलिखितशब्दान् लिंगानुसारेण लिखत।
नीचे लिखे शब्दों को लिंग के अनुसार लिखिए।
(Classify the words given below into the genders they belong to.)

एतत् तौ तत् एतौ एते कानि काः

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
पुल्लिंग	.....	.....	.....
स्त्रीलिंग	.....	.....	.....
नपुंसकलिंग	.....	.....	.....

7. अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत। नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्नाः

(i) अपने से बड़ों को संबोधन करते समय बोलना चाहिए–

तुम ☐ आप ☐ तेरे ☐

(ii) सर्वनाम सिखाते हैं–

रिक्तस्थान पूर्ति ☐ सहयोग भावना ☐ दूसरों को भगाना ☐

रचनात्मकः अभ्यासः

तालिका से शब्द चुनकर लिखिए।
(Choose the correct words from the grid and write them accordingly.)

वह (नपुं.) – .....
हम सब – .....
वे सब (स्त्री.) – .....
कौन (नपुं.) – .....

त	त्	व	य	म्	ए
यु	वा	म्	कि	त्व	ता
ताः	आ	वा	म्	म्	नि

तुम दोनों – .....
ये सब (नपुं.) – .....
हम दो – .....
तुम – .....

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

1. तीनों लिंगों के दो-दो सर्वनाम शब्दों को लिखकर अर्थानुसार चित्र चिपकाएँ।
2. एक छात्र वक्ता तथा दूसरा छात्र श्रोता बनकर अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से किसी भी विषय पर संवाद करें।

Scanned by CamScanner